Birlas Visit to Ethiopia

315. SHRI SURENDRANATH DWIVEDY :
SHRI K. LAKKAPPA :
SHRI SAMAR GUHA :
SHRI J. AHMED :
SHRI S. KUNDU :

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Sarvashri G. D. Birla, B. K. Birla and A. V. Birla recently visited Ethiopia and held discussions with the Ministers of Ethiopian Government on the economic co-operation between the two countries ; and

(b) if so, whether Government had given them the necessary authority to discuss the country's economic situation and give assurances of economic assistance to Ethiopian Government ?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DINESH SINGH): (a) The Birlas are already operating some joint industrial ventures in Ethiopia. Government were informed that Sarvashri G.D. Birla, B.K. Birla and A.V. Birla had recently visited Ethiopia on an invitation from the Imperial Ethiopian Government and that while in Ethiopia they discussed, in their private capacities, the possibilities of further collaboration in the industrial field.

(b) Does not arise.

मार्लबोरो हाउस के सामने प्रदर्शन

316. **श्री ओंकार सिंह :**
श्री हुकमचन्द कछवाय :

क्या **वैदेशिक-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जनवरी, 1969 में प्रधान मंत्री की इंगलैंड की यात्रा के दौरान जब वह मार्लबोरो हाउस पहुंचीं, तो उनके सामने एक प्रदर्शन किया गया था; और

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण थे और इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री दिनेश सिंह): (क) और (ख). राष्ट्रमंडल प्रधान मंत्री सम्मेलन के समय मार्लबोरो हाउस के बाहर प्रदर्शनकारियों के छोटे-छोटे दल थे। ये प्रदर्शन शान्तिपूर्ण थे, अलग-अलग दलों ने किए थे और तरह-तरह की समस्याओं को लेकर किए थे जिनमें बियाफ्रा के समर्थन से लेकर कीटाणु युद्ध पर प्रतिबंध लगाने तक के मसले शामिल थे। कुछ प्रदर्शनकारियों के पास ऐसी तख्तियां भी थीं जिन पर काश्मीर में जनमत संग्रह की मांग की गयी थी। भारत सरकार की ओर से किसी कार्रवाई की ज़रूरत नहीं है।

चीन और तिब्बत में भारतीय सम्पत्ति की क्षति

317. **श्री ओंकार सिंह :**
श्री हुकमचन्द कछवाय :

क्या **वैदेशिक-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत पांच वर्षों में चीनी नागरिकों द्वारा किये गये प्रदर्शनों, घेराओं तथा अन्य हिंसात्मक घटनाओं के परिणामस्वरूप चीन और तिब्बत में कितनी भारतीय सम्पत्ति की क्षति हुई;

(ख) उक्त अवधि में भारतीय सम्पत्ति को कितनी बार क्षति पहुंचाई गई; और

(ग) उक्त हानि के लिये भारत सरकार ने चीन सरकार से कितनी धनराशि के मुआवजे की मांग की थी और चीन ने वास्तव में कितनी धनराशि का भुगतान किया ?